सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 159 | जुलाई : 2023

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

7 समसामयिकी घटना संग्रह

8 चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर जीता आईपीएल 2023 का खिताब

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने ₹ 2000 के नोट वापस लेने का दिया आदेश
- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने C-PACE की शुरूआत की
- भारत ने म्यांमार में किया सितवे बंदरगाह का संचालन

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भोपाल सतत् विकास की ओर बढ़ता पहला शहर
- यूपी सैनिक इंटर कॉलेज में 'पहल' का शुभारम्भ
- डॉक्टरों के लिए विशिष्ट पहचान पत्र हुआ अनिवार्य

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- आसियान पर्यटन फोरम 2024 की मेजबानी करेगा लाओस
- पाकिस्तान का हज कोटा सऊदी अरब को दिया गया
- इंडोनेशिया में सम्पन्न हुआ 42वाँ ASEAN शिखर सम्मेलन

29 खेल खिलाड़ी

- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 के शुभंकर का अनावरण
- यशस्वी जायसवाल ने जड़ा IPL इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक
- ओडिशा ने भारतीय हॉकी टीम के प्रायोजन को बढ़ाया 2033 तक

33 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

38 **वित्तीय लेख**—भारत में माइक्रोफाइनेंस की वर्तमान स्थिति

39 **विदेश व्यापार लेख**—रक्षा, कृषि व सेवा क्षेत्र में बेहतर निर्यात से बढ़ा आत्मनिर्भरता का संसेक्स

41 **सामयिक लेख**—(i) इंटरनेट : संचार का एक सशक्त माध्यम

43 (ii) प्रेस की स्वतंत्रता में गिरावट

44 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन लेख**—जी-20 की अध्यक्षता में भारत दिखाएगा शांति की राह

46 **प्रौद्योगिकी लेख**—न्यायिक प्रणाली और उभरती प्रौद्योगिकियाँ

47 **समुद्री संसाधन लेख**—क्यों महत्वपूर्ण है उच्च या खुला समुद्र संधि ?

विविध/सामान्य

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-156 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

49 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2022 (प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I-V)

69 एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस हैड कॉंस्टेबिल (मंत्रिस्तरीय) भर्ती परीक्षा, 2022

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस	: 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

सुदृढ़ इच्छाशक्ति का विकास करें

"Willpower is the key to success. Successful people strive no matter what they feel by applying their will to overcome apathy, dout for fear."

—Dan Millman

भले ही मन में ढेरों इच्छाएं उत्पन्न हों, लेकिन एक सुदृढ़ इच्छाशक्ति का उदय हृदय से होता है, जिसका सीधा सम्बन्ध चेतना से जुड़ा है. कमजोर इच्छा से बचने का एक ही साधन है और वह है इच्छा-शक्ति का विकास. बीते दिनों के बारे में अधिक सोचना और अपने आने वाले दिन की चिंता करना–ये दोनों इच्छाशक्ति के विकास में बड़ी बाधाएं हैं.

हम सभी यह जानते हैं कि धर्म-अधर्म क्या है ? अच्छा-बुरा क्या है ? परन्तु हम अकसर अधर्म (यानी बुरे पक्ष) की ओर ज्यादा झुकाव रखते हैं. इसका कारण है, हमारी सुदृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव. 'अच्छे' का अर्थ है जोड़ना. यह कार्य सुदृढ़ इच्छाशक्ति के बिना नहीं हो सकता, जिसका अभाव हमारे अन्दर अकसर होता है. 'बुरे' का अर्थ है तोड़ना, इसमें इच्छाशक्ति का होना आवश्यक नहीं है. ***स्वामी बुधानन्द*** *कहते हैं कि विनाशकारी वस्तुओं में बड़ा आकर्षण होता है और माया के राज्य में बुरी चीजों में अदम्य खिंचाव होता है, लेकिन जल्दबाजी में कदम उठाकर हम बाद में पछताते हैं और अपने ही रचे अन्धकार में रुदन करते हैं. इसकी पुष्टि में लंकापति रावण का यहाँ एक ज्वलंत उदाहरण है–*

मरणासन्न लेटे हुए रावण ने दशरथ-पुत्र लक्ष्मण से कहा था कि मेरी इच्छाएं थीं कि मैं समुद्र का खारा जल मीठा करूँ और मृत्युलोक से इन्द्रलोक में सीधा जाने के लिए सीढ़ियाँ बनाऊँ, लेकिन मैंने इन्हें साकार रूप न देकर पहले श्रीराम से युद्ध करने का संकल्प ले लिया, अर्थात् शुभ विचारों को टालकर गलत विचार को पहले ले लिया और इसका परिणाम जो मुझे मिला है, उसे तुमने देख लिया है.

इसी प्रकार हम भी जीवन में कभी-कभी गलत शब्दों का प्रयोग करके दूसरे के हृदय को घायल कर देते हैं, जिसका परिणाम हमें ही हानि से भुगतना पड़ता है. इन शब्दों का बुरा प्रभाव जानते हुए भी हमारे अन्दर इतनी इच्छाशक्ति नहीं होती कि हम उन शब्दों को भीतर ही रोक लें. ***सारांश यह है कि दृढ़तापूर्वक गलत को नकार देना और सही को अपनाना ही इच्छाशक्ति है, जिसका अभाव हमारे भीतर होता है.*** *भले ही मन में ढेरों इच्छाएं उत्पन्न हों, लेकिन एक सुदृढ़ इच्छाशक्ति का उदय हृदय से होता है, जिसका सीधा सम्बन्ध चेतना से जुड़ा है. दुर्बल पक्ष में बचने का एक ही साधन है और वह है इच्छाशक्ति का विकास. बस आपको इच्छाशक्ति को रेसिपी की स्वयं के अन्दर की रसोई में तैयार करना आना चाहिए. इस रेसिपी में क्या-क्या है ? जरूरी–*